सबसे बड़े भक्त की खोज

एक दिन नारद जी के मन में विचार आया कि विष्णु भगवान से चलकर पूछें कि संसार में उनका सबसे बड़ा भक्त कौन है? नारद जी विष्णु भगवान के पास पहुँचे और उन्होंने उनसे पूछा–"प्रभु! जगत में आपका इस समय सबसे बड़ा भक्त कौन

है?" विष्णु भगवान ने कहा–"ऐसा करिए कि अपने हाथ में तेल से भरा एक कटोरा लेकर संसार में (मृत्युलोक) जाइए, मैं आपको उस नगर का पता बताता हूँ, जहाँ मेरा एक बहुत बड़ा भक्त रहता है, पर एक शर्त है कि वहाँ तक जाने-आने में कटोरे से तेल की एक बूँद भी नीचे न गिरने पाए।" विष्णु भगवान ने नारद जी को उस भक्त का पूरा पता समझा दिया। नारद जी तेल से भरा एक कटोरा लेकर विष्णुलोक से मृत्युलोक की ओर भक्त की खोज में निकल पड़े।

नारद जी बड़े सँभल-सँभलकर तेल का कटोरा हाथ में लेकर चले और उस भक्त के ठिकाने पर पहुँच ही गए। मृत्युलोक पहुँच कर नारद जी को यह देखकर बड़ा अचरज हुआ कि सारा दिन तो यह आदमी अपने काम में लगा रहता है, कभी भूलकर भी विष्णु भगवान को याद नहीं करता, न मंदिर में पूजा-पाठ करता, न ही किसी तरह का कोई तप। जब शाम को दिनभर के सब काम

Stepping Stone
School (High)
Class - IV
Sub - 2nd lang. (Hindi)

Worksheet no. 9 05.05.2020 Time limit - 30 mi

बच्चों दिये गए पाठ का मैं आपको कितना हिस्सा भेज रही हूँ उसमें बताया गया है कि - किस तरह एक बार नारद जी विष्णु जी के पास यह जानने के लिए जाते हैं कि उनका सबसे बड़ा भक्त कौन है ? इसके जवाब में विष्णु जी नारदजी को एक तेल का कटोरा देते हुए मृत्यु लोक (पृथ्वी) की ओर भेजते हैं; परन्तु शर्त यह होती है कि कटोरे से एक भी बूँद तेल न गिरे। नारदजी तेल का कटोरा सँभालते हुए, उस भक्त के पास पहुँच जाते हैं। वहाँ जाकर देखते हैं वह एक किसान है, जो दिनभर अपने कर्म में लगा हुआ है। वह न मंदिर जाता है और ना ही कोई तप करता है। यह सब देखकर नारद जी को आश्चर्य होता है।

(1) कहानी में रेखांकित शब्द वर्तनी को पेपरक्लीट पर लिखेंगे। (एवं याद करेंगे)

(2) शब्दार्थ

(i) मृत्युलोक - पृथ्वी / धरती
(ii) संसार - जगत / दुनिया
(iii) भक्त - उपासक
(iv) शर्त - करार / प्रतिज्ञा
(v) अचरज - आश्चर्य
(vi) तप - साधना / तपस्या

(दिये गए सभी शब्दार्थ को पेपरक्लीट में लिखें एवं याद करें)